

Academic Collaboration of ICSI with Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg(C.G)  
(Dated:-02/11/2020)



**THE INSTITUTE OF  
Company Secretaries of India**  
भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान  
IN PURSUIT OF PROFESSIONAL EXCELLENCE  
Statutory body under an Act of Parliament  
(Under the jurisdiction of Ministry of Corporate Affairs)



**HEMCHAND YADAV  
VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)**

**VISION**  
"To be a global leader  
in promoting good  
corporate governance"

**ICSI Motto**  
सत्यं वद। धर्मं चर।  
speak the truth; abide by the law.

**MISSION**  
"To develop high calibre  
professionals facilitating  
good corporate governance"



**CS Ashish Garg**  
President, The ICSI



**Sushri Anusuiya Uikey Ji**  
Hon'ble Governor, Chhattisgarh



**Shri Dhananjay Dewangan**  
Secretary Higher Education  
Govt. of Chhattisgarh

**MOU  
SIGNING  
CEREMONY  
FOR ACADEMIC COLLABORATIONS**

**2<sup>ND</sup> NOVEMBER 2020 (MONDAY)**  
**12.30 P.M. (IST) ONWARDS THROUGH VIRTUAL MODE**



**CS Nagendra D.Rao**  
Vice-President, The ICSI



**Dr. Aruna Palta**  
Vice Chancellor  
Hemchand Yadav University, Durg (C.G.)

**Dr. C.L. Dewangan**  
Registrar, Hemchand Yadav University, Durg (C.G.)

**Dr. Prashant Kumar Shrivastava**  
Dean, Student Welfare (DSW)  
Hemchand Yadav University, Durg (C.G.)

**CS Rahul P. Sahasrabudhe**  
Chairman WIRC of ICSI

**CS Asish Mohan**  
Secretary, The ICSI

**CS Radha Bansal**  
Chairperson Raipur Chapter of WIRC of ICSI

**Dr. S.K. Jena**  
Director, The ICSI



## हेमचंद विवि व इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के बीच एमओयू

दुर्ग, 31 अक्टूबर (देशबन्धु)। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग तथा इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के मध्य अकादमिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण एमओयू 2 नवंबर को दोपहर 12.30 बजे छत्तीसगढ़ की राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके के अतिथ्य में अंतिम हस्ताक्षर किए गए। यह जानकारी देते हुए दुर्ग विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि इस एमओयू हस्ताक्षर ऑनलाइन समारोह में उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सचिव धनंजय देवांगन तथा विश्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पट्टा सहित विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापक आदि ऑनलाइन रूप से उपस्थित रहेंगे। दुर्ग विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. सी.एल. देवांगन एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे। जबकि कंपनी सेक्रेटरीज संस्थान की ओर से एस.के. जेना, डायरेक्टर हस्ताक्षर करेंगे। विश्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पट्टा ने बताया कि हाल ही में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ऑनलाइन उपस्थिति में छत्तीसगढ़ राज्य योजना आयोग के साथ छत्र हित में एमओयू किये थे। कंपनी सेक्रेटरीज इंस्टिट्यूट ऑफ

इंडिया राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठान संस्था है। इसके साथ एमओयू होने से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा प्राध्यापकों को लाभ होगा। दुर्ग विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. सी.एल. देवांगन के अनुसार इस एमओयू के अंतर्गत दुर्ग विश्वविद्यालय के बी.कॉम अंतिम परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कंपनी सेक्रेटरीज संस्थान नई दिल्ली स्वर्ण पदक तथा मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान करेगा। इसके अलावा शीर्ष तीन स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को संस्थान के कंपनी सेक्रेटरी पाठ्यक्रम में नि:शुल्क प्रवेश दिया जायेगा। डॉ. देवांगन ने बताया है कि विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को कंपनी सेक्रेटरी संस्थान विषय विशेषज्ञ के रूप में देश भर में आयोजित होने वाले वेबिनार/समीनार में आमंत्रित करेगा। कंपनी सेक्रेटरी संस्थान की लाइब्रेरी व रिसर्च जर्नल 'इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज' के शोधकर्ता विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध रहेंगे, इसके अतिरिक्त कंपनी सेक्रेटरी संस्थान समय-समय पर फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का भी आयोजन करेगा। इसी तरह के अनेक लाभकारी गतिविधियों से दोनों पक्षों को लाभ होगा।

## कोविड 19 जागरूकता कार्यक्रम में राज्यपाल होंगी ऑनलाइन शामिल

दुर्ग, 28 अक्टूबर (देशबन्धु)। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) डॉ. आर. अग्रवाल ने बताया कि इन प्रारंभिकों के पदाधिकारियों के साथ-साथ दुर्ग संघ के समस्त एनएसएस अधिकारियों, स्वयंसेवक, 138 महाविद्यालयों के प्राचार्य, प्राध्यापक एवं दुर्ग विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों भी इस जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल, एनएसएस इकाई की वार्षिक रिपोर्ट "आगे बढ़ो" का ऑनलाइन विमोचन भी करेंगे। इसके अतिरिक्त हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग पर इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज के लगभग 125 प्रारंभिकों के साथ, चंचल महिला मण्डल का सत्य महिलाओं शामिल होंगे। कार्यक्रम के प्रमुख



**नवभारत**  
आजियन •• कोविड-19 जागरूकता ऑनलाइन कार्यक्रम  
**सरकारत्मक सोच से ही हर समस्या का हल- राज्यपाल**

दुर्ग, 28 अक्टूबर (देशबन्धु)। राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके ने कोविड-19 के दौरान मानसिक तनाव आने पर सरकारत्मक दृष्टिकोण अपनकर सामना करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस दौरान मानसिक तनाव आने पर सरकारत्मक दृष्टिकोण अपनकर सामना करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस दौरान मानसिक तनाव आने पर सरकारत्मक दृष्टिकोण अपनकर सामना करने की सलाह दी।

**सुविधा • विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को भी फेकल्टी डेवेलपमेंट प्रोग्राम के साथ-साथ शोध पत्रिकाएं मिलेंगी**

### दुर्ग यूनिवर्सिटी ने आईसीएसआई के साथ एमओयू पर किया साइन, कॉमर्स के टॉप-3 स्टूडेंट्स ले सकेंगे निशुल्क प्रवेश

दुर्ग, 31 अक्टूबर (देशबन्धु)। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग तथा आईसीएसआई के मध्य अकादमिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण एमओयू 2 नवंबर को दोपहर 12.30 बजे छत्तीसगढ़ की राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके के अतिथ्य में अंतिम हस्ताक्षर किए गए। यह जानकारी देते हुए दुर्ग विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि इस एमओयू हस्ताक्षर ऑनलाइन समारोह में उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सचिव धनंजय देवांगन तथा विश्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पट्टा सहित विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापक आदि ऑनलाइन रूप से उपस्थित रहेंगे। दुर्ग विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. सी.एल. देवांगन एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे। जबकि आईसीएसआई के ओर से एस.के. जेना, डायरेक्टर हस्ताक्षर करेंगे। विश्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पट्टा ने बताया कि हाल ही में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ऑनलाइन उपस्थिति में छत्तीसगढ़ राज्य योजना आयोग के साथ छत्र हित में एमओयू किये थे। आईसीएसआई सेक्रेटरीज संस्थान की ओर से एस.के. जेना, डायरेक्टर हस्ताक्षर करेंगे।

**Adopt positive attitude to fight mental stress during Corona period: Uikey**

दुर्ग, 28 अक्टूबर (देशबन्धु)। राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके ने कोविड-19 के दौरान मानसिक तनाव आने पर सरकारत्मक दृष्टिकोण अपनकर सामना करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस दौरान मानसिक तनाव आने पर सरकारत्मक दृष्टिकोण अपनकर सामना करने की सलाह दी।

# कोरोना काल में मानसिक तनाव आने पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर सामना करें : राज्यपाल उड़के

रायपुर, 2 नवम्बर (देशबन्धु)। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उड़के आज हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की एनएसएस ईकाई द्वारा "कोविड-19 के दौरान खान-पान के विषय में जागरूकता" विषय पर आयोजित वेबिनार में शामिल हुईं। उन्होंने इस वेबिनार में उपस्थित कुलपति, प्राध्यापकगण, सरपंच, पंच एवं महिला स्वयंसहायता समूहों के प्रतिनिधियों को कोरोना काल में मानसिक तनाव से लड़ने के लिए सकारात्मक सोच अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण से लड़ने के लिए हमें अच्छे पोषिक आहार और दवाईयों की आवश्यकता तो है मगर सबसे अधिक आवश्यकता है कि हम अपनी सोच सकारात्मक रखें। ऐसे दृष्टिकोण से हमारे शरीर में अपने आप बीमारी से लड़ने की क्षमता बढ़ती है, ऐसी सोच रखने वाला कोरोना ही नहीं बल्कि बड़ी से बड़ी मुश्किलों का सामना करता है और उन पर विजय प्राप्त करता है। राज्यपाल ने इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की पत्रिका 'आरोहण' का विमोचन भी किया। राज्यपाल ने कहा कि कोरोनाकाल ने हमें कई सीख दी है। पुराने समय में हम संयुक्त परिवार में रहते थे और परिवार के बुजुर्ग हमारा मार्गदर्शन करते थे तथा संकट के समय हमेशा ध्यान रखते थे। लेकिन अब संयुक्त परिवार की परम्परा समाप्त हो गई है। परन्तु कोरोना के समय फिर से एक साथ समय बिताने का मौका मिला



और एकदूसरे के दुख-दर्द समझने का मौका मिला। इससे हमें मानसिक रूप से ताकत भी मिली। उन्होंने उपस्थित महिला प्रतिनिधियों को कहा कि जीवन में जो आगे बढ़ता है उनके सामने कई परेशानियां आती हैं परन्तु हमें हिम्मत नहीं हारना चाहिए। उनका मुकाबला वही कर सकता है, जो दृढ़ इच्छा शक्ति रखे। उन्हें बिना हिम्मत हारे संघर्ष करते रहना चाहिए, अवश्य लक्ष्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों की चर्चा करते हुए कहा कि मेरे जीवन में भी कई परेशानियां आईं, लेकिन हार नहीं मानी। यदि कोई मेरी आलोचना करता था तो उसकी परवाह नहीं करती थी और उसे मैं सकारात्मक रूप में लेती थी एवं दृढ़ इच्छा शक्ति और दोगुने जोश से आगे बढ़ती थी। इसी का परिणाम है कि मैं आज छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के पद तक पहुँची।

राज्यपाल ने हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं इन्स्टिट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया नई दिल्ली के मध्य आज शिक्षा के क्षेत्र में हुए आपसी समझौता के लिए दोनों संस्थाओं को बधाई दी और कहा कि इस समझौते का सीधा लाभ हमारे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मिले। राज्यपाल ने कहा कि मौसम तेजी से बदल रहा है, ऐसे में सर्दी जुकाम और सामान्य फ्लू होना आम बात है। लेकिन अब इस कोरोना वायरस ने सभी लोगों के मन में डर का मौहाल पैदा कर दिया है।

## कोरोना काल में मानसिक तनाव आने पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर सामना करें राज्यपाल 'कोविड-19 के दौरान खान-पान के विषय में जागरूकता' विषय पर आयोजित वेबिनार में शामिल हुईं

समवेत शिक्षर न्यून

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उड़के आज हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की एनएसएस ईकाई द्वारा "कोविड-19 के दौरान खान-पान के विषय में जागरूकता" विषय पर आयोजित वेबिनार में शामिल हुईं। उन्होंने इस वेबिनार में उपस्थित कुलपति, प्राध्यापकगण, सरपंच, पंच एवं महिला स्वयंसहायता समूहों के प्रतिनिधियों को कोरोना काल में मानसिक तनाव से लड़ने के लिए सकारात्मक सोच अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण से लड़ने के लिए हमें अच्छे पोषिक आहार और दवाईयों की आवश्यकता तो है मगर सबसे अधिक आवश्यकता है कि हम अपनी सोच सकारात्मक रखें। ऐसे दृष्टिकोण से हमारे शरीर में अपने आप बीमारी से लड़ने की क्षमता बढ़ती है, ऐसी सोच रखने वाला कोरोना ही नहीं बल्कि बड़ी से बड़ी मुश्किलों का सामना करता है और उन पर विजय प्राप्त करता है। राज्यपाल ने इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की पत्रिका 'आरोहण' का विमोचन भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि कोरोनाकाल ने हमें कई सीख दी है। पुराने समय में हम संयुक्त परिवार में रहते थे और परिवार के बुजुर्ग हमारा मार्गदर्शन करते थे तथा संकट के समय हमेशा ध्यान रखते थे। लेकिन अब संयुक्त परिवार की परम्परा समाप्त हो गई है। परन्तु कोरोना के समय फिर से एक साथ समय बिताने का मौका मिला और एकदूसरे के दुख-दर्द समझने का मौका मिला। इससे हमें मानसिक रूप से ताकत भी मिली। उन्होंने उपस्थित महिला प्रतिनिधियों को कहा कि जीवन में जो आगे बढ़ता है उनके सामने कई परेशानियां



आती हैं परन्तु हमें हिम्मत नहीं हारना चाहिए। उनका मुकाबला वही कर सकता है, जो दृढ़ इच्छा शक्ति रखे। उन्हें बिना हिम्मत हारे संघर्ष करते रहना चाहिए, अवश्य लक्ष्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों की चर्चा करते हुए कहा कि मेरे जीवन में भी कई परेशानियां आईं, लेकिन हार नहीं मानी। यदि कोई मेरी आलोचना करता था तो उसकी परवाह नहीं करती थी और उसे मैं सकारात्मक रूप में लेती थी एवं

दृढ़ इच्छा शक्ति और दोगुने जोश से आगे बढ़ती थी। इसी का परिणाम है कि मैं आज छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के पद तक पहुँची।

राज्यपाल ने हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं इन्स्टिट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया नई दिल्ली के मध्य आज शिक्षा के क्षेत्र में हुए आपसी समझौता के लिए दोनों संस्थाओं को बधाई दी और कहा कि इस समझौते का

सीधा लाभ हमारे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मिले।

राज्यपाल ने कहा कि मौसम तेजी से बदल रहा है, ऐसे में सर्दी जुकाम और सामान्य फ्लू होना आम बात है। लेकिन अब इस कोरोना वायरस ने सभी लोगों के मन में डर का मौहाल पैदा कर दिया है। खासतौर पर बुखार और सांस लेने में दिक्कत कोरोना वायरस के अहम लक्षण है। इसमें से कोई भी लक्षण होने पर व्यक्ति को आइसोलेशन में रहने की सलाह दी जाती है और उनका टेस्ट कराया जाता है ऐसे में चबराने और पैनाक होने के बजाए जागरूक बने।

सुश्री उड़के ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए इस समय सावधानी बरतने की सबसे अधिक आवश्यकता है। भीड़-भाड़ वाले स्थान में जाने से बचें। अपने आसपास साफ-सफाई रखें और अपने हाथों को बार-बार साबुन से धोयें या सैनिटाइजर का उपयोग करें। खासतौर पर संकट के समय रुमाकल या टीसू पेपर का इस्तेमाल करें। आपस में मुलाकात के दौरान भारतीय परम्परा के अनुसार अभिवादन करें। यह सुरक्षा साधारण परन्तु अहम उपाय है अतः इन्हें गंभीरता से लिया जाना बहुत जरूरी है। घर से बाहर निकले तो मास्क पहन कर निकलें। नियमित रूप से व्यायाम और योग करें।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री धनंजय देवगन एवं हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डॉ. अरुणा फ्लटा ने भी अपना संबोधन दिया। वेबिनार में भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के संचालक श्री एस.के. जेता तथा भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के अध्यक्ष श्री आशीष गंगू भी उपस्थित थे।